an>

Title: Need to check increasing pollution level in the country particularly in Uttar Pradesh.

श्रीमती कृष्Âणा राज (शाहजहांपुर) ः देश में प्रदूÂषण एक विकराल समस्या का रूप धारण कर रहा है। मनुÂष्य के विकास के साथ-साथ आबादी भी निरंतर बढ़ती जा रही है। मनुÂष्य के उत्तम स्वास्थ्य हेतु स्वच्छ वातावरण का होना अति आवश्यक है परंतु मनुÂय ने अपनी सुविधानुसार प्रकृति से खिलवाड़ करना जारी रखा जिससे प्रदूÂषण की गंभीर समस्या उत्पन्न हुई।

एक ग्लोबल सर्वे एजेन्सी की वÂर्ष 2015 की रिपोर्ट के माध्यम से ज्ञात हुआ कि विश्व के 50 सर्वाधिक प्रदूÂिषत शहरों में भारत के 13 शहर सम्मिलित हैं। ये आंकड़े विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट पर आधारित हैं। यह सोचने का विÂषय है। प्रदूÂषण अनेक प्रकार की बिमारियों का जनक है। बुजुर्ग हों या बच्चे, इससे सभी वर्ग प्रभावित हैं। स्थिति यह है कि हर पांचवां व्यक्ति किसी न किसी बीमारी से पीड़ित है।

देश में प्रदूÂषण का एक कारण सड़कों पर दौड़ते वाहनों से हवा में उड़ती धूल भी है। इस मामले में देश के अन्य राज्यों के साथ-साथ उत्तर प्रदेश की सड़कों की स्थिति भी बहुत खराब है। जहां देखों धूल के गुबार उठते दिखाई पड़ते हैं। यातायात रूक-रूक कर चलता है जिससे उत्सर्जित धुएं में दिन-प्रतिदिन बढ़ोत्तरी हो रही है। शहरों की स्थिति बहुत ही भयावह है। गाड़ियों से निकला धुआं लोगों के स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ता है। इसलिए इस विकराल समस्या का समाधान निकाला जाए जिससे मानव जीवन को बचाया जा सके।

अतः मेरा केंद्र सरकार से अनुरोध है कि देश में बढ़ते प्रदूÂषण को रोकने के लिए तत्काल यथोचित कदम उठाए जाने की तुरंत आवश्यकता है।